सावन में श्याम बिहारी झूलेंगे कृष्ण मुरारी लिरिक्स

सावन में श्याम बिहारी,
झूलेंगे कृष्ण मुरारी,
झूला झूलन की देखो,
आई है रुत ये प्यारी,
चंदन चौकी बनवाई,
रेशम की डोर लगाई,
भक्तों ने मिल के करली,
सारी तैयारी,
सावन मे श्याम बिहारी,
झूलेंगे कृष्ण मुरारी।bd।

तर्ज – जा रे जा ओ हरजाई।

आया सावन मस्त महीना,
फूल खिले है उपवन में अब,
आओ राधा रानी,
राधा रानी के संग मोहन,
झूलेंगे झूले में देखो,
आई रूत मस्तानी,
हाथ में हाथ है श्याम के साथ है,
झूला झूलेगी प्यारी,
बरसाने वाली,
सावन मे श्याम बिहारी,
झूलेंगे कृष्ण मुरारी।bd।

सुंदर सुंदर फूलों से है,
डाली चार सजाई अपने,
हाथों से कृष्ण कन्हाई,
कोमल कोमल गूंथ गूंथ कर,
रेशम डोर बंधाई गेंदा,
चंपा से उसको सजाई,
कैसी अद्भुत छटा,
छाई काली घटा,
अंबर में चमके बिजली,
बनके मतवाली,
सावन मे श्याम बिहारी,
झूलेंगे कृष्ण मुरारी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मनमोहन है जनम जनम से,
राधा का दीवाना ये तो,
जाने दुनिया सारी,
केशव राधा की प्रीति का,
बंधन बड़ा सुहाना कैसी,
महिमा ग्रंथों से जानी,
लागी मन में लगन,
प्रेम में हो मगन,
भक्तों के संग में नाचे,
कुंज बिहारी,
सावन मे श्याम बिहारी,
झूलेंगे कृष्ण मुरारी।bd।

सावन में श्याम बिहारी,
झूलेंगे कृष्ण मुरारी,
झूला झूलन की देखो,
आई है रुत ये प्यारी,
चंदन चौकी बनवाई,
रेशम की डोर लगाई,
भक्तों ने मिल के करली,
सारी तैयारी,
सावन मे श्याम बिहारी,
झूलेंगे कृष्ण मुरारी।bd।

Singer – Mansi Agarwal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com